ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

अब के रावण लग रहे

शायद अब ये हो गई, वर्तमान की शान।
फोटो खिंचवा लीजिए, जब भी करिए दान।।-1

संविधान की दृष्टि में,सब हैं एक समान।
चाहे निर्धन व्यक्ति हो, या कोई धनवान।।-2

अगर चाहते आप हैं, सुख जीवन पर्यन्त।
तो नेता बन जाइये, या फिर साधू-सन्त।।-3

राम तुम्हारी भी रही, लीला अपरंपार।
एक दशानन मर गया, पैदा हुए हज़ार।।-4

पानी को बर्बाद मत, करें दोस्तों आप।
यह जीवन का मंत्र है, रट लीजे चुपचाप।।-5

जीवन दर्शन दे गया, निर्धन एक फ़क़ीर।
प्रेम रंग भाये जिसे, वह है संत कबीर।।-6

जाने कैसा आ गया, भारत में भूचाल।
नेता मालामाल हैं, जनता है कंगाल।।-7

भूल रहे हैं आजकल, बच्चे शिष्टाचार।
जब से इनको हो गया, मोबाइल से प्यार।।-8

जो स्वदेश के वास्ते, दे देते हैं जान।
उनसे बढ़ कर के नहीं, कोई हुआ महान।।-9

उस रावण को बेवजह, कोस रहे हैं आप।
अब के रावण लग रहे, उस रावण के बाप।।-10

मैंने पूछा जब कभी, सबसे अच्छा कौन।
माँ के सम्मुख हो गये, सारे रिश्ते मौन।।-11

मन में जिज्ञासा लिये, आयेगा बदलाव।
दोहे लिखवाते रहे, हरे-भरे कुछ घाव।।-12

कुँवर कुसुमेश
जन्म-तिथि : 03.02.1950
जन्म-स्थान : **लखनऊ**
पत्नी का नाम:स्व.श्रीमती पुष्पा कुँवर
शिक्षा : **एम.एससी. (गणित)**
पता : 4/738 **विकास नगर, लखनऊ**-226022
मोबा : 9415518546
ई-मेल id : kunwar.kusumesh@gmail. com
संप्रति : **भारतीय जीवन बीमा निगम से रिटायर्ड मण्डल प्रबंधक**
अदबी सफ़र : **लगभग** 35 **वर्ष**

प्रकाशन/प्रसारण :-

1-**अँधेरे भी उजाले भी (ग़ज़ल संग्रह)** 1997 **में प्रकाशित**
2- **पर्यावरणीय दोहे (दोहा संग्रह)** 2000 **में प्रकाशित**
3-**कुछ न हासिल हुआ (ग़ज़ल संग्रह)** 2010 **में प्रकाशित**
4-"**मुक्तक कुँवर कुसुमेश के**" 2015 **में प्रकाशित**
5-**सरल अरूज़ (ग़ज़ल के व्याकरण पर)** 2018 **में प्रकाशित**
6-**ऐवान-ए-अरूज़ (ग़ज़ल के व्याकरण पर)** 2020 **में प्रकाशित**
7-**अदबी कहकशाँ (ग़ज़ल संकलन)** 2020 **में मेरे द्वारा संपादित**
8-**गुलिस्तान-ए-ग़ज़ल(ग़ज़ल संग्रह)** 2022 **में प्रकाशित**
9-**रंग-ए-तग़ज़्ज़ुल** (2023 **में प्रकाशित**)
10-**देश की तमाम प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं तथा साझा संकलनों में ग़ज़लें/दोहे व अन्य रचनाएं प्रकाशित।**
11-**आकाशवाणी से रचनाएं प्रसारित,कवि सम्मेलनों तथा मुशायरों में शिरकत।**

सम्मान:- **विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ,गाँधी नगर, ईशीपुर, भागलपुर (बिहार) द्वारा "विद्यावाचस्पति" उपाधि से** 2010 **में अलंकृत**